साप्ताहिक
नर्मदा समय

Website: www.narmadasamay.com
Email: narmadasamay@gmail.com

Title Code:-MPHIN/36648

संपादक-प्रताप सिंह वर्मा

वर्षः 01, अंकः 22 | इटारसी, सोमवार 08 मई से 14 मई 2023 | पृष्ठ-04 | मूल्यः 05 रुपए

ऊपर वाले तेरा जवाब नहीं ,बोरवेल में गिरे मासूम को सकुशल निकाला गया

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। भगवान कभी कभी चमत्कार कर देते है इसलिए तो कहते है ऊपर वाले तेरा जवाब नही। आमला ब्लॉक के ग्राम सोनतलाई में भी आज एक प्रकार से चमत्कार ही हुआ और बोरवेल में से मासूम बच्चें को कुछ ही मिनटो में सकुशल निकाल लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत तिरमहू के ग्राम सोनतलाई में लगभग 3 बजे एक मासूम अरूण पिता छन्नु मर्सकोले उम्र 2 वर्ष अपनी मां कंचनबाई के साथ नाले के समीप खेल रहा था पास में ही धन्दुसिंह परमार का खेत था खेत में बोरवेल जो कि चालू था मासूम खेलते खेलते पानी पीने गया और बोरवेल में गिर गया। आसपास ग्रामीण थे दौड़ा भागी हुई और ग्रामीण अखलेश गुरूदयाल गोलू आदि की जद्दोजदह के बाद मासूम को सकुशल निकाल लिया। दरअसल खेत का बोरवेल था जिसमें लगी लोहे की केसिंग, पाईप के किनारे की मिट्टी धस गई थी जिसके कारण एक गढढा हो गया था मासूम अरूण 8 से 10 फीट नीचे फसा था मौके पर पुलिस भी पंहुची, ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि और कर्मचारी भी पंहुचे। इस विषय में थाना प्रभारी संतोष पन्द्रे से चर्चा की गई तो उन्होने बताया कि अरूण को ग्रामीणों ने सकुशल बाहर निकाल लिया है।

ठीक करवाया गया

ग्राम पंचायत तिरमहू के सचिव दयाशंकर मालवीय ने बताया कि बोर चालू था सिंचाई हो रही थी ग्रामीणों की सजगता से मासूम को सकुशल निकाला गया। ग्राम पंचायत द्वारा बोर को ठीक करवा दिया गया है।

बोर के गड्ढे में गिरा ढाई वर्षीय बालक को ग्रामीणों ने निकाला

ग्राम सोनतलाई में 6 मई शनिवार को दोपहर 3 बजे के लगभग एक तीन वर्षीय बालक ट्युवबेल के गड्ढे में गिर कर नीचे फस गया जिसे ग्रामीणों द्वारा निकालकर जान बचाई गई।

गौरतलब होगा की ग्राम सोनतलाई के छगन मर्सकोले का तीन वर्षीय बालक अरुण अपनी माँ कंचन के साथ तिर्महु मार्ग पर गया हुआ था कंचन मर्सकोले पास में लगे हुए नाले के पास पेड़ो की गिरी हुई लकड़ियां बिन रही थी ।प्यास लगने पर पास लगे धांधू सिंह परमार के खेत के बोर जिसमे पानी की मोटर शुरू थी पानी पीने गई तभी बोर की केसिंग बाजू में हुए खोखले गड्ढे में बालक गिर गया जिसके बाद कंचन ने आवाजाही करने वालो से मदद मांगी ।पास लगी बस्ती के लोग भी दौड़कर बोर के पास पहुचे जिसके बाद आर्यन ,रूपेश परमार ,राजा सहित ग्रामीणों ने बालक को लगभग 6 से 7 फिट के गड्ढे से 1 घण्टे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला।बच्चे को बाहर निकालने के लिए युवकों ने बॉस में सरिया बांधकर हुक नुमा गल बनाकर बच्चे के कपड़ो को फसाकर बाहर निकाला।

पुलिस और पंचायत के कर्मचारी मोके पहुंचे

उल्लेखनीय होगा घटना की जानकारी को पुलिस व पंचायत के अधिकारियों को देने के बाद मौके पर पहुचे और ट्यूबबेल का निरीक्षण किया।

प्रधान आरक्षक सुनील राठौर ने बताया ग्रामीणों की सूचना पर वे तुरंत मौके पर पहुचे उनके पहुचने के पूर्व ग्रामीणों ने बच्चे को बोर के गड्ढे से बाहर निकाल लिया था ।छगन मर्सकोले व उसकी परी कंचन मजदूरी कार्य करते है घटना के समय छगन मजदूरी पर गया था कंचन लकड़ियां लेने गई थी ।प्यास लगने पर बोर में लगी नल की टोटी से पानी पीने गई तब बच्चा गड्ढे में गिर गया था बच्चे के स्वास्थ परीक्षण के लिए सिविल अस्पताल ले जाया जाएगा।वही बोर के बाजू में हुए गड्ढे के मामले वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देश के बाद कार्यवाही की जाएगी।

बारिश से बोर के बाजू में खोखली हो गई जगह

इस मामले में खेत मालिक की लापरवाही सामने आई है बोर के बाजू की भूमि बारिश से खोखली होना बताया जा रहा है जबकि बोर से पानी लिया जा रहा है ऐसे में बोर के गड्ढों को भराव किया जाना था ।वही जब बालक गड्ढे में गिरा तब भी बोर में मोटर के लिए विद्युत करंट शुरू था ।लेकिन ग्रामीणों की सूझ बूझ से बालक को सकुशल निकाल लिया गया।वही सचिव दयाशंकर मालवीय ने बताया वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार बोर के बाजू में हुए गड्ढों में मुरुम सीमेंट क्रांकीट करवाकर बन्द करवाया जा रहा है ।

14 मई को मनाया जाएगा भव्य विश्व मातृ दिवस समारोह,नारी शक्तियों का किया जाएगा सम्मान

नर्मदा समय/इटारसी। नारी सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने हेतु रानी अवंती हेल्प लाइन संस्था, इटारसी द्वारा भव्य विश्व मातृ दिवस समारोह 14 मई को प्रातः 11 बजे से मनाया जाएगा। समारोह में संस्था की संस्थापक स्व डॉ शशि प्रभा वर्मा की शक्ति की मूर्ति का अनावरण किया जावेगा ।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ प्रताप सिंह वर्मा एवं अनामिका वर्मा ने बताया की इस अवसर पर नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । जिसमें नर्मदांचल की संस्कृति से जुड़े समाज सेवा के साथ-साथ शिक्षा, गीत संगीत, खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली नारी शक्तियों का सम्मान किया जा रहा है।

सम्मानित होने वाली नारी शक्ति हैं

श्रीमती सोना शुक्ला, श्रीमती वंदना ओझा, श्रीमती नीरजा फौजदार, श्रीमती राधा दयाल, श्रीमती तुलसा वर्मा, डॉ अनमोल द्विवेदी, श्रीमती कामिनी जैन, जयश्री तरडे, राशि खाड़े, मिथलेश चिचाम, आध्या तिवारी, डॉ हंसा व्यास, श्रीमती जागृति आशीष भदौरिया, श्रीमती श्रद्धा अग्रवाल, श्रीमती सीमा बरैय्या, श्रीमती रमा अरविंद चंद्रवंशी, श्रीमती ममता बाजपेयी, श्रीमती बिट्टन बाई शर्मा ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक सीतासरन शर्मा के साथ नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, उपाध्यक्ष निर्मल राजपूत, मध्यप्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पं पीयूष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी, मध्य प्रदेश प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह, सचिव लक्ष्मीकांत मिश्रा, जिला सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं जितेंद्र ओझा, हिन्दू महासभा से प्रदेश सदस्यता प्रभारी कन्हैया लाल रैकवार, नर्मदा समय जिला ब्यूरो चीफ प्रदीप गुप्ता, डॉ रामेश्वर दयाल अतिथि होंगे । कार्यक्रम का संचालन सुनील बाजपेयी द्वारा किया जाएगा ।

सोने के झुमकी, माला व 2 मोबाईल सहित नगदी उड़ा ले गये चोर

बिल्लोद गाँव के घर मालिक बहार आँगन में सोते रहे करीब 2 बजे की घटना

कुलदीप राजपूत

हरदा। करताना ग्राम के करीबी ग्राम बिल्लोद में शुक्रवार की रात शनिवार की सुबह को अज्ञात चोरों ने रात को गाँव निवासी ओमप्रकाश गुजर के घर मे घुस कर सोने के, चांदी की पायल समान व पैसे सहित घर मे रखे मोबाइल चोर ले गए ओर लोहे की पेटी को पीछे के गेट से निकल वाकी का सामान पीछे वाउंड्री के वहाँ फेक गये। इधर जब सुबह घर के लोगो नींद खुली तो ओम प्रकाश गुजर व गाँव के लोग पुलिस चौकी करतांना पहुँच सूचना दी गई। पुलिस व डॉग स्कॉट मौके पर पहुंचे। पुलिस चौकी प्रभारी ने जानकारी देते हुये बताया कि ओम प्रकाश गुर्जर उम्र 40 वर्ष निवासी बिल्लोद के कहने पर एफआईआर दर्ज कराई है की रात में परिवार के लोग सब बाहर आंगन में सो रहे थे। तभी अज्ञात चोरों ने घर में रखें लोहे की पेटी में कीमती सामान कपड़े, झुमकी, पायल, मोती की माला, अंगूठी व नगदी 9000 व दो एंड्राइड मोबाइल रियल मी कंपनी के अज्ञात चोरों ने चोरी कर ले गए। जिस पर अज्ञात व्यक्ति चोरी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

डॉ. राजेश शर्मा द्वारा सेवा भारती नर्मदापुरम की बच्ची को गोद लिया

नर्मदा समय / प्रदीप गुप्ता

इटारसी। नर्मदा अपना अस्पताल के संचालक डॉ. राजेश शर्मा द्वारा सेवा भारती नर्मदा पुरम जिला इकाई को 25,000/- की राशि का चेक दिया गया। डॉ. शर्मा ने यह चेक सेवा भारती द्वारा संचालित धुरपन छात्रावास की एक बच्ची गोद लेते हुए दिया है।

बच्चे की साल भर की शिक्षा खाना रहना एवं अन्य बुनियादी जरूरतों को इस राशि से पूरा किया जा सकेगा। चेक की राशि सेवा भारती नर्मदा पुरम के जिलाध्यक्ष सतीश अग्रवाल सांवरिया द्वारा उनको उनके बेटे के विवाह समारोह में दी गई। श्री सांवरिया ने दूल्हा दुल्हन को शादी के बंधन में बनने पर बधाई दी और डॉ. राजेश शर्मा को धन्यवाद दिया। श्री सांवरिया ने कहा की ऐसे ही लोगों के सहयोग से समाज में अच्छा मैसेज जाएगा। ज्ञात रहे कि श्री सांवरिया के जिला अध्यक्ष बनने के बाद अब तक इटारसी व नर्मदा पुरम के कई समाज सेवियों, दानदाताओं द्वारा एक एक बच्ची को इसी तरह गोद लिया जा चुका है।

टिमरनी थाने मे पदस्त होमगार्ड जवान ने अज्ञात कारणों से लगाई फांसी

कुलदीप राजपूत

हरदा। जिले के टिमरनी थाने में पदस्थ एक होमगार्ड जवान ने अज्ञात कारणों के चलते बीती रात अपने किराये के मकान मे फांसी लगाकर कि आत्महत्या। पुलिस मामले कि जाँच मे जुट गई है। जानकारी के अनुसार हरदा जिले के टिमरनी में पदस्थ होमगार्ड जवान सुरेंद्र पिता पंचम मरकाम निवासी ग्राम रायबोर बीते 10 महीने से टिमरनी थाने में पदस्थ था।

शहर के वार्ड नंबर 14 की सिद्धि विनायक कॉलोनी में अपने किराए के मकान पर पंखे में गमछा बांधकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। आसपास मे रहने वाले लोगो ने होमगार्ड जवान को फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सुचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना कर पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला की जाँच कर रही है।

शाहपुर पुलिस द्वारा पकड़ी गई गोवंश तस्करी की गाड़ी

शाहपुर। पुलिस द्वारा गोवंश तस्करों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है, गोवंश तस्कर ग्रामीण क्षेत्रों से गोवंश गाड़ियों में क्रूरता पूर्वक भरकर महाराष्ट्र के कत्लखानों मे ले जाकर बेच देते है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी ने जब से कार्यभार संभाला है उनके द्वारा बैतूल में पुलिस महकमे को निर्देश दिया है कि गोवंश तस्करों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करना है। जिसके तारतम्य में एसडीओपी शाहपुर एच एल शर्मा एवं थाना प्रभारी शाहपुर ए आर खान के मार्गदर्शन में शाहपुर पुलिस द्वारा ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। हाल ही में दिनांक 07/05/23 को रात्रि करीबन 01 बजे शाहपुर पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से पता चला कि देशावाड़ी तरफ से एक फोर्स गामा वाहन क्रमांक एमपी 37 बीबी 0152 में गोवंश भरकर महाराष्ट्र कत्लखाने ले जा रहे है । सूचना मिलते ही तत्काल गश्त पार्टी बरेठा जोड़ पर घात लगाकर इंतजार करने लगे तभी उक्त वाहन तेजी से बरेठा तरफ आया और पुलिस की गाड़ी देख कर भगाकर गामा वाहन को निशाना ग्राम तरफ घुमा लिया । जिसका पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर वाहन निशाना ग्राम के जंगल तरफ जाने लगा जो जंगल में मिट्टी के ढेर में जाकर फस गया एवं वाहन चालक और उसका साथी अंधेरे में भाग गए जिनको आस पास तलाश किया गया । परंतु नही मिले उक्त वाहन को खोलकर चेक करने पर उसमे 06 नग गोवंश ठूस ठूस कर मुंह पैर बंधे भरे थे, उक्त वाहन एवं गोवंश को मौके पर जप्त किया गया एवं फसे वाहन को ट्रैक्टर की सहायता से निकलवाकर गौशाला ले जाया गया जहां गोवंश को सुरक्षार्थ रखवाकर वाहन को थाना शाहपुर लाया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी शाहपुर ए आर खान, प्रधान आरक्षक इश्तियाक अली, आर प्रवेश, राजेश एवं वोलेंटियर राहुल कुदारे, हर्षित सोनी, आकाश प्रधान की प्रमुख भूमिका रही।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ

नर्मदा पुरम/प्रदीप गुप्ता/नर्मदापुरम। आज ग्राम जमानी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हाई स्कूल मैदान में किया गया। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग केसला प्रमुख श्रीमती आरती शर्मा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी तथा अधिक से अधिक संख्या में खिलाड़ी इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ लेवे इस और खिलाड़ियों का ध्यान आकर्षित कराया एवं बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर विभाग के द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से दो जगह लगाया जा रहा है। सेमरी खुर्द हायर सेकेंडरी स्कूल में एथलेटिक्स का प्रशिक्षण पीटीआई रणजीत राजपूत के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य के संरक्षण में कोच अजय लोट द्वारा दिया जाएगा। जमानी में सुमित यादव के द्वारा कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद सदस्य सुखराम कुमरे, हेमंत दुबे, आर वी चौधरी, हाई स्कूल खेल प्रभारी श्री दीवान एवं छात्रावास अधीक्षक जमानी प्रमुख रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। आगंतुक सभी अतिथिगण ने बच्चों को उत्साह पूर्वक आशीर्वाद दिया और यथा योग्य आवश्यकता पूर्ति हेतु आश्वासन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 मई से 5 जून 2023 तक चलेगा ।प्रशिक्षण अवधि सुबह 7 बजे से 9 बजे तक एवं शाम 4 बजे से 7 बजे तक होगा।

समर्पण ग्रुप ने गोकुलधाम हनुमान मंदिर में किया श्रमदान

नर्मदा समय, प्रताप सिंह वर्मा

इटारसी। आज दिनांक 07 मई दिन रविवार को समर्पण ग्रुप इटारसी के सभी सदस्यों ने मिलकर पुरानी इटारसी में वर्मा कॉलोनी के पास गोकुलधाम हनुमान मंदिर में एवं पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया। मंदिर परिसर में पार्क में पक्षियों की दाना- पानी के पात्र लगाए। आसपास के रहवासियों एवं दुकानदारों से यह निवेदन किया कि पार्क में गंदगी ना करें, कचरा ना फेंके।

यह हमारे और आपके बैठने का स्थान है इसे साफ और स्वच्छ बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। और ग्रुप ने अपील भी छपवाई है जिसे ग्रुप के सदस्य साफ सफाई के बाद, आसपास लगाते है। पार्क में अपनी नियमित सेवाएं प्रदान करने वाले बीके दुबे (रिटायर्ड बैंक कर्मचारी) उन्होंने कहा कि समर्पण ग्रुप बहुत अच्छा काम कर रहे है और शहर वासियों को इनको पूर्ण सहयोग करना चाहिए। वार्ड पार्षद एवं नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत ने उपस्थित होकर समर्पण ग्रुप के कार्यों की सराहना की और उन्हें को बधाई दी। इस अवसर पर समर्पण ग्रुप से आशीष भदौरिया (मासाब), राजेश (पप्पू) चौधरी, अंकित राठौर, गिरधारी चौरे, गुड्डू सराठे, रोहित सनस, रामबाबू सिंह राजपूत, मोहनदास करारे, आशीष पटेल, मुकेश दास एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

फाइनेंसियल कंपनी में चयन होने पर प्रिन्सी गुप्ता का किया सम्मान

नर्मदा पुरम/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। श्री अयोध्यावासी वैश्य गुप्ता महिला मंडल ने कुमारी प्रिंसी गुप्ता का जे एम फाइनेंसियल कंपनी में सलेक्ट होने के उपलक्ष में किया गया एवं सभी ने आशीर्वाद और शुभकामनाएं दी। श्रीमती सुषमा गुप्ता ने कहा बेटी हमारी आन, बान, शान है। प्रिन्सी का सम्मान पूनम गुप्ता, मंजू गुप्ता, सुरेखा गुप्ता, काजल गुप्ता, मीना गुप्ता, शिवांगी गुप्ता, अवनी गुप्ता, कमला गुप्ता, राखी गुप्ता, अंजू गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, मीना गुप्ता, रूपा गुप्ता, शर्मिला एवं ज्योति ने किया। प्रिन्सी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता पंकज गुप्ता, माँ पूनम गुप्ता एवं गुरुजनों को दिया और युवाओं को सन्देश दिया कि एक लक्ष्य लेकर पढ़ाई करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

श्री सत्य साई सेवा समिति विभिन्न प्रकार की सेवा साधना गतिविधियां संचालित हुई

नर्मदा समय/प्रदीप गुप्ता

नर्मदापुरम। ईश्वराम्बा सप्ताह के अन्तर्गत श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा 30 अप्रैल से 06 मई तक विभिन्न प्रकार की सेवा साधना गतिविधियां संचालित की गई। रेलवे स्टेशन पर जल सेवा, रविवार को नारायण सेवा, प्रतिदिन सायंकालीन भजन, अपनाये गये ग्राम बान्द्राभान घानाबड़ में बालविकास गतिविधियों के साथ साथ विभिन्न केन्द्रों पर बाल विकास पालकों से सम्पर्क और संवाद के आयोजन हुये।

दिनांक 04/05/2023 से 06/05/2023 तक साई हैवन कालोनी में समर कैम्प का सफल आयोजन हुआ। श्री देवी धाम मन्दिर साई हैवन कालोनी में मानवीय मूल्यों से सम्बन्धित खेल श्लोक प्रार्थना क्राफ्ट वर्क, भजन कहानी कथन इत्यादि अनेक सामूहिक गतिविधियां इस कैम्प के आकर्षण रहे।

बच्चों के पालकों ने उन्हें प्रोत्साहित किया और बालविकास गुरुओं ने योग्य मार्गदर्शन प्रदान किया। आध्यात्मिक शैक्षणिक और महिला विभाग की अनेक सेवा साधना गतिविधियां सम्पन्न हुई।

अपराध का दायरा

संपादकीय

कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आक्रामकता कहां से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपराधों की हद तक चली जाती है। यह कल्पना भी दहला देती है कि बारह-तेरह साल के बच्चे अब इस मानसिक अवस्था में जीने लगे हैं कि एक बेहद मामूली बात पर बेलगाम होकर उनमें से कोई अपने ही किसी सहपाठी की ही हत्या कर दे। दिल्ली के बदरपुर इलाके में स्थित एक स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सिर्फ संयोगवश अपने दो सहपाठियों को सिगरेट पीते देख लिया और इसकी शिकायत कर देने की बात कह दी।यह एक ऐसी बात है, जिसे आम सामाजिक जीवन में बिल्कुल सामान्य गतिविधि के तौर पर देखा और लिया जाता रहा है। लेकिन सिर्फ इतने भर के लिए सिगरेट पीने वाले दोनों छात्रों के भीतर ऐसी प्रतिक्रिया पैदा हुई कि वे पहले अपने सहपाठी को बहलाफुसला कर सुनसान जगह पर ले गए, वहां उसकी पत्थरों से मार कर हत्या कर दी और शव को एक नाले में फेंक दिया। इस अपराध की प्रकृति को देखा जाए तो एकबारगी यह पेशेवर अपराधियों की हरकत लगती है, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से अपराध को अंजाम देने और बचने की कोशिश की जाती है।इस घटना में बेहद त्रासद और दुखद यह है कि दो ऐसे बच्चे हत्या के आरोपी हैं, जो अभी महज करीब बारह साल के हैं। जाहिर है, कानून की कसौटी पर इसमें बच्चों को नाबालिग आरोपी मान कर बरता जाएगा और उसी मुताबिक निर्धारित सजा भी तय होगी। लेकिन इस मामले को सिर्फ एक सामान्य अपराध मानने के बजाय इसकी जटिलताओं पर गौर करने की जरूरत है।समाज से लेकर सरकार को इस पर चिंतित होना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में कहां और या ऐसी चूक हो रही है कि जिस उम्र में बच्चों को सद्भाव का प्रतीक होना चाहिए, पढ़ाई में दिलचस्पी लेनी चाहिए, मामूली बातों पर थोडा झगड़ने के बाद फिर साथ मिल कर खेलना- कूदना और दोस्ती करना चाहिए, हृश्वयार का संदेश बनना चाहिए, उस उम्र में सिगरेट जैसी लत का शिकार होने से आगे वे असंतुलित मनःस्थिति में चले जा रहे हैं।सवाल है कि इतनी कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आक्रामकता कहां से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपराधों की हद तक चली जाती है। या यह शिक्षा और पालन-पोषण में जरूरी तकाजों का खयाल नहीं रखने का नतीजा है? या फिर यह ऐसे माहौल की देन है जो बिना शोर के हमारे आसपास बन रहा है और या तो हम उस पर ध्यान नहीं दे पाते या फिर उसे अपनी सुविधा के तौर पर देखते हैं?दरअसल, पढ़ाई-लिखाई की निर्धारित दिनचर्या के अलावा बच्चों की जिंदगी में कैसी व्यस्तताएं बन रही हैं, उस पर नजर रखना अब न अभिभावकों को जरूरी लगता है, न एक समस्या बन रहे इस पहलू पर स्कूल में या कहीं भी बच्चों को प्रशिक्षित किए जाने की व्यवस्था है। इंटरनेट से लैस स्मार्टफोन सहित अपने सामने की तकनीकी दुनिया की तमाम गतिविधियां अब बच्चों की जिंदगी में देखने-सुनने और कई बार उसमें शामिल होने का हिस्सा बन रही हैं।मुश्किल यह है कि किशोर उम्र में जिन बातों से उपजे भ्रम को संवेदनशीलता के साथ दूर करके उन्हें जरूरी बातें बताने की जरूरत होती है, वे बातें बच्चे अब अलग तरह से सुनते और समझते हैं। नतीजतन, उनके भीतर मनोवैज्ञानिक स्तर पर जिस तरह का विभ्रम, ऊहापोह और उथल-पुथल मचता है, वह उनके सोचनेसमझने के सलीके को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। बहुत मामूली बातों पर हुए झगड़े के बीच बेलगाम आक्रामकता में कई बार यह भी पता नहीं चल पाता कि वे जो करने जा रहे हैं, वह गंभीर अपराध है और इस वजह से उनकी बाकी जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

दो बच्चों की नीति, जनसंख्या नियंत्रण एवं देश के नवनिर्माण में कितनी कारगर हैं

देश में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, आवास, रोज़गार पर बढ़ते दबाव को देखते हुए दो बच्चों की नीति अनिवार्य करने की मांग में तेज़ी आई है। हालाँकि विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को चीन से सबक लेते हुए इस मुद्दे पर कोई निर्णय लेना चाहिये।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 के नवीनतम आँकड़ों से यह प्रमाणित होता है कि परिवार नियोजन के संबंध में भारत में सुधार हुआ है एवं बच्चों के जन्म की औसत दर में भी गिरावट देखी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे यह साबित होता है कि देश की आबादी स्थिर है एवं जनसंख्या विस्फोट का डर एवं दो बच्चों की अनिवार्य नीति गुमराह करने वाली है। इसके साथ ही यह विषय इसलिये भी चर्चा का मुद्दा बन जाता है कि भारत जैसे देश के लिये दो बच्चों की नीति अपनाना किस हद तक तार्किक है एवं इस संबंध में भारत को चीन से क्या सीख लेनी चाहिये।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में स्वतंत्रता दिवस पर भाषण के दौरान देश से जनसंख्या नियंत्रण हेतु अपील की थी। प्रधानमंत्री के भाषण का एक बड़ा हिस्सा पर्यावरण और व्यवहार संबंधी परिवर्तनों से संबंधित चिंताओं से प्रेरित था। प्रधानमंत्री ने जनसंख्या नियंत्रण संबंधी प्रयासों को देशभक्ति का ही एक रूप बताया था और इसे प्राप्त करने हेतु पूरे समाज को आगे आने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा था कि देश में जनसंख्या विस्फोट की स्थिति भविष्य की पीढ़ियों के लिये विभिन्न समस्याएँ उत्पन्न करेगी। जो लोग छोटे परिवार की नीति का पालन करते हैं वे भी विकास में योगदान करते हैं।

नीति आयोग ने बाद में इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर के परामर्श हेतु विभिन्न हितधारकों को आमंत्रित किया किंतु आगे चलकर इसे रद्द कर दिया गया।

वर्ष 2020 में प्रधानमंत्री ने महिलाओं के लिये विवाह की उम्र को संशोधित करने के संबंध में एक संभावित निर्णय के बारे में बात की थी, जिसे कई लोग जनसंख्या को नियंत्रण करने के अप्रत्यक्ष प्रयास के रूप में देखते हैं।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 रिपोर्ट का पहला भाग जिसे कुछ समय पूर्व ही सार्वजनिक किया गया था, 17 राज्यों और 5 केंद्रशासित प्रदेशों के आँकड़ो को दर्शाता है। अंतर्राष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन जनसंख्या परिषद (Population Council) द्वारा इन आँकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत के 17 में से 14 राज्यों में कुल प्रजनन दर (प्रति महिला जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या) में कमी आई है या प्रति महिला प्रजनन दर 2-1 या उससे कम है। इसका अर्थ यह हुआ कि अधिकांश राज्यों ने प्रतिस्थापन स्तर प्रजनन (Replacement Level Fertility) अर्थात् प्रति महिला जन्म लेने वाले बच्चों की औसत संख्या, जिसकी एक आबादी खुद को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पूरी तरह से बदल सकती है।

यह डेटा दर्शाता है कि दो बच्चे से संबंधित धारणा गलत और मिथक है। हालाँकि परिवार स्वास्थ्य कार्यक्रम व्यक्तियों के अधिकार और सम्मान को बनाए रखने हेतु आवश्यक है।

वर्ष 2005 और 2016 के मध्य आयोजित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 3 एवं राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 4 के दौरान 22 में से 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गर्भनिरोधक के आधुनिक तरीकों के इस्तेमाल में गिरावट देखी गई थी। जबकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 में 12 में से 11 राज्यों में जहाँ इन गर्भनिरोधकों का उपयोग पहले कम या उसमें अब वृद्धि देखी गई। विशेषज्ञों द्वारा किये गए सर्वेक्षण के अनुसार, बाल विवाह की वृद्धि के संबंध में भी ध्यान आकर्षित किया गया है एवं अपील की गई है कि नीति-निर्माताओं को इस क्षेत्र में शुरुआती गर्भधारण पर अंकुश लगाने हेतु ध्यान देना आवश्यक है। हालाँकि देखा गया है कि प्रति परिवार दो बच्चों के संबंध में कोई राष्ट्रीय नीति नहीं है। इस मामले में नवंबर 2019 में राज्यसभा में एक विधेयक पेश किया गया था, जिसमें छोटे परिवारों के लिये प्रोत्साहन का प्रस्ताव रखा गया था।

विभिन्न राज्यों में दो बच्चों से संबंधित नीति : 2019 तक की स्थिति

असम : असम मंत्रिमंडल द्वारा लिये गए फैसले के अनुसार, वर्ष 2021 से दो से अधिक बच्चों वाले लोग सरकारी नौकरी हेतु अयोग्य माने जाएंगे।

राजस्थान : सरकारी नौकरियों के मामले में जिन उम्मीदवारों के दो से अधिक बच्चे होंगे वे नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।

राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे ग्राम पंचायत या वार्ड सदस्य के रूप में चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया जाएगा। हालाँकि पिछली सरकार ने विकलांग बच्चे के मामले में दो बच्चों संबंधी मानदंड में ढील दी थी।

मध्य प्रदेश : यह राज्य वर्ष 2001 के बाद से दो बच्चों के मानदंड संबंधी नीति का पालन कर रहा है। मध्य प्रदेश सिविल सेवा (सेवाओं की सामान्य स्थिति) नियमों के अनुसार, 26 जनवरी, 2001 को या उसके बाद यदि तीसरे बच्चे का जन्म होता है तो वह व्यक्ति किसी भी सरकारी सेवा हेतु अयोग्य माना जाएगा। यह नियम उच्चतर न्यायिक सेवाओं पर भी लागू होता है।

मध्य प्रदेश ने वर्ष 2005 तक स्थानीय निकाय चुनावों के उम्मीदवारों के लिये दो-बच्चों के आदर्श का पालन किया परंतु व्यावहारिक रूप से आपत्तियाँ आने के बाद इसे बंद कर दिया गया। हालाँकि विधानसभा और संसदीय चुनावों में ऐसा नियम लागू नहीं था।

तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश : धारा 19 (3) के तहत तेलंगाना पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 153 (2) और 184 (2) के तहत दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया जाएगा।

हालाँकि 30 मई, 1994 से पहले अगर किसी व्यक्ति के दो से अधिक बच्चे थे तो उसे अयोग्य घोषित नहीं किया जाएगा। आंध्र प्रदेश पंचायत राज्य अधिनियम, 1994 में समान खंड आंध्र प्रदेश के लिये भी लागू होता है, जहाँ दो से अधिक बच्चे वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित किया जाएगा।

गुजरात : वर्ष 2005 में सरकार द्वारा गुजरात स्थानीय प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन किया गया था जिसके अनुसार स्थानीय स्वशासन, पंचायतों, नगर पालिकाओं और नगर निगम के निकायों का चुनाव लड़ने हेतु दो से अधिक बच्चों वाले किसी भी व्यक्ति को अयोग्य घोषित किया गया है।

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र ज़िला परिषद और पंचायत समिति अधिनियम स्थानीय निगम चुनाव (ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम तक) लड़ने के लिये दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को अयोग्य घोषित किया जाएगा।

महाराष्ट्र सिविल सेवा (छोटे परिवार की घोषणा) निगम, 2005 के अनुसार, दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को राज्य सरकार के किसी भी पद हेतु अयोग्य घोषित किया गया है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ दो से अधिक बच्चों वाली महिलाओं को नहीं दिया जाता।

उत्तराखंड : राज्य सरकार द्वारा दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को पंचायत चुनाव लड़ने से रोकने का फैसला लिया गया था एवं इस संबंध में विधानसभा में एक विधेयक पारित किया गया था। परंतु ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य का चुनाव लड़ने वालों द्वारा इस फैसले को उच्च न्यायालय में दी गई चुनौती के उपरांत उन्हें राहत प्रदान की गई। इसके तहत दो बच्चों वाले मानदंड की शर्त केवल उन लोगों पर लागू की गई है जिन्होंने ज़िला पंचायत के चुनाव लड़े।

कर्नाटक : कर्नाटक (ग्राम स्वराज और पंचायत राज) अधिनियम, 1993 दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को ग्राम पंचायत जैसे- स्थानीय निकायों के चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित नहीं कर सकता।

हालाँकि कानून के अनुसार, एक व्यक्ति ''जिसके परिवार के सदस्यों के उपयोग के लिये सैनिटरी शौचालय उपलब्ध नहीं है, '' वह चुनाव लड़ने हेतु अयोग्य होगा।

ओडिशा : ओडिशा ज़िला परिषद अधिनियम दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करता है।

दो बच्चों से संबंधित राष्ट्रनीति 13 अगस्त, 2018

दो बच्चों से संबंधित राष्ट्र नीति को लागू करने हेतु राष्ट्रपति को याचिका सौंपी गई।

15 अगस्त, 2019 : स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जनसंख्या विस्फोट पर चिंता जताई थी।

10 जनवरी, 2020 :- सर्वोच्च न्यायालय ने जनसंख्या नियंत्रण कानून वाली याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

18 जनवरी, 2020 : RSS के संघ संचालक मोहन भागवत द्वारा जनसंख्या नियंत्रण का मुद्दा उठाया गया। सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका में कहा गया था कि क्या भारत में सिर्फ दो बच्चे पैदा करने वाला कानून पास हो सकता है? क्या भारत सरकार चीन की तरह वन चाइल्ड पॉलिसी लेकर आ सकती है? हालाँकि इस पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यह संसद के हस्तक्षेप का क्षेत्र है।

दो बच्चों की राष्ट्र नीति के नकारात्मक पहलू

आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19 के अनुसार, वर्ष 2040 तक भारत में बुजुर्गों की आबादी 16 फीसदी तक पहुँच जाएगी। वर्ष 2050 तक यह संख्या 33 करोड़ पार कर जाएगी और विशेषज्ञों द्वारा आशंका जताई जा रही है कि अगर दो बच्चों की राष्ट्र नीति नहीं अपनाई गई तो इन आँकड़ों में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

दो बच्चों की राष्ट्र नीति के सकारात्मक पहलू

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आबादी वर्ष 2027 तक 158 करोड़ हो जाएगी, जो फिलहाल 131 करोड़ है। वहीं चीन की जनसंख्या वर्ष 2027 में 153 करोड़ हो जाएगी। इस प्रकार भारत वर्ष 2027 तक विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन जाएगा।

गौरतलब है कि जनसंख्या बढ़ने से बेरोज़गारी, गरीबी, अशिक्षा, निम्न स्वास्थ्य स्तर और प्रदूषण जैसी समस्याओं में वृद्धि होगी।

जनसंख्या के संबंध में चीन की स्थिति : वर्ष 1979 में चीन द्वारा एक बच्चे की राष्ट्र नीति को लाने का उद्देश्य बढ़ती हुई आबादी पर नियंत्रण पाना था। उस वक्त चीन की जनसंख्या 97 करोड़ थी जो वर्ष 2019 में 139 करोड़ हो गई है। इस नीति से 40 करोड़ बच्चे कम पैदा हुए लेकिन कामगार आबादी में तेज़ी से गिरावट हुई। इससे वहाँ वृद्ध जनसंख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई एवं बुज़ुर्ग पीढ़ी को सहारा देने के लिये युवा आबादी में कमी आने लगी। इसे देखते हुए चीन ने अपनी नीति को बदलते हुए वर्ष 2016 में एक बच्चे की राष्ट्र नीति को वापस ले लिया एवं दो बच्चों की इजाजत दे दी।

आगे की राह : भारत में जनसंख्या संबंधी कैसी नीति होनी चाहिये, इस पर राष्ट्रव्यापी बहस की आवश्यकता है। इसके लिये केंद्र, राज्यों और अन्य संबंधित संस्थाओं को एक साथ मिलकर किसी निष्कर्ष पर पहुँचना होगा। चीन का सबक भी यही कहता है कि भारत को ऐसा अनिवार्य कानून बनाना चाहिये जो सस्ती-सुलभ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि कर इस कार्य को इस कार्य को सुनिश्चित कर सके।

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

विश्व हास्य दिवस, 7 मई, 2023 पर विशेष

अशांति के कोहराम में हास्य है अनमोल उपहार

ललित गर्ग

अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र विकास के लिये हास्य जरूरी है। इसीलिये विश्व हास्य दिवस विश्वभर में मई महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। आज के तनाव, अशांत, चिन्ता एवं परेशानियों के जीवन में हास्य की तीव्र आवश्यकता है। क्योंकि हँसना सभी के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं बौद्धिक विकास में अत्यंत सहायक है। हंसी हमारे जीवन की सफलता की चाबी है, वह अनेक समस्याओं का समाधान भी है। हंसी दुखी दिल के घावों को भरने वाला मलहम है। हमारे चेहरे का व्यायाम है और मन का आराम। शोध कहते हैं कि जैसे-जैसे हम बड़े हो रहे हैं, हमारा हंसना कम हो रहा है। इसी पर लेखक मिशेल प्रिटचार्ड कहती हैं, 'हम इसलिए कम नहीं हंसते कि हम बूढ़े हो गए हैं। हम बूढ़े ही इसलिए हुए कि हमने हंसना बंद कर दिया है।'

सेहत का एक मंत्र यह है कि आप खुलकर हंसें। हमें हंसना चाहिए और बात-बेबात हंसते और हंसाते रहना सफल एवं सार्थक जीवन का मंत्र हैं। पर कई बार पूरा पूरा दिन बिना हंसे निकल जाता है। उदासी और बेचैनियों के बादल छाए रहते हैं, हंसी की धूप खिल नहीं पाती। लेखिका एमिली मिचेल कहती हैं, 'हंसी के बिना बीता दिन, अंधेरे में रहने जैसा है, आप अपना रास्ता ढूंढ़ने की कोशिश तो करते हैं, पर उसे साफ-साफ नहीं देख पाते।' हंसना एक ऐसा सकारात्मक भाव है जो व्यक्ति के न केवल आंतरिक बल्कि बाहरी स्वरूप को समृद्धिशाली एवं प्रभावी बनाता है। हास्य एक शक्तिशाली भावना है जिसमें व्यक्ति को ऊर्जावान और संसार को शांतिपूर्ण बनाने की क्षमता हैं। यह व्यक्ति के विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। जब व्यक्ति समूह में हंसता है तो उसकी हंसी से सकारात्मक ऊर्जा सम्पूर्ण परिवेश में व्याप्त हो जाती है।

आज के इस तनावपूर्ण वातावरण में व्यक्ति अपनी मुस्कुराहट व हँसी को भूलता जा रहा है, फलस्वरूप तनावजन्य बीमारियाँ, जैसे- उच्च रक्तचाप, शुगर, माइग्रेन, हिस्टीरिया, पागलपन, डिप्रेशन आदि को निमंत्रण दे रहा है। हँसने से ऊर्जा और ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है। शरीर में से दूषित वायु बाहर निकल जाती है। हमेशा खुलकर हँसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है। साथ ही शरीर में रक्त संचार की गति को बढ़ाता है। इसके अलावा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। इसलिये डॉक्टर भी हर बीमारी के रोगी के लिये हास्य को उपयोगी बताते हैं। क्योंकि जोर-जोर से कहकहे लगाने से पूरे शरीर में प्रत्येक अंग को गति मिलती है। इससे शरीर में मौजूद हारमोन दाता प्रणाली (एंडोफ्राइन ग्रंथि) सुचारुरूप से चलने लगती है, जो कि कई रोगों से छुटकारा दिलाने में सहायक होता है।

जो लोग हमें हंसाते हैं, वे हमारी स्मृतियों में रच-बस जाते हैं। हम किसी को पसंद या नापसंद कई कारणों से कर सकते हैं। पर लंबे समय तक हमारे प्रेम के हकदार वे लोग बनते हैं, जो हमें हंसाते हैं और हमारे चेहरे की हंसी बन जाते हैं। शायद इसीलिए विक्टर बोर्ग कहते हैं, 'हंसी दो लोगों के बीच की दूरी को पार करने का सबसे छोटा पुल है।' हंसना एक ऐसा बेशकीमती उपहार है, जो कुदरत ने केवल मनुष्य को ही बख्शा है। हास्य एक सार्वभौमिक भाषा है। इसमें जाति, धर्म, रंग, लिंग से परे रहकर मानवता को समन्वय करने की क्षमता है। यह इंसान से इंसान को जोड़ने का उपक्रम है। हंसी विभिन्न समुदायों को जोड़कर नए विश्व का निर्माण करने में सक्षम हैं। यह विचार भले ही काल्पनिक लगता हो, लेकिन लोगों में गहरा विश्वास है कि हंसी ही दुनिया को एकजुट कर सकती है।

हंसने से ऑक्सीजन का संचार अधिक होता है व दूषित वायु बाहर निकलती है। नियमित रूप से खुलकर हंसना शरीर के सभी अवयवों को ताकतवर और पुष्ट करता है व शरीर में रक्त संचार की गति बढ़ जाती है तथा पाचन तंत्र अधिक कुशलता से कार्य करता है। दुनिया में सुख एवं दुःख दोनों ही धूप-छाँव की भाँति आते-जाते हैं। यदि मनुष्य दोनों परिस्थितियों में हँसमुख रहे तो उसका मन सदैव काबू में रहता है व वह चिंता से बचा रह सकता है। हंसने से आत्मा खिल उठती है। इससे आप तो आनंद पाते ही हैं दूसरों को भी आनंदित करते हैं। हास-परिहास पीड़ा का दुश्मन है, निराशा और चिंता का अचूक इलाज और दुःखों के लिए रामबाण औषधि है। हंसने-हंसाने से तन-मन में उत्साह का संचार होता है और दिल से हंसना तो किसी दवा से कम नहीं है। हंसी एक उत्तम टॉनिक का काम करती है। प्रमुख विद्वान थैकर एवं शेक्सपियर जैसे विचारकों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि प्रसन्नचित व्यक्ति अधिक जीता है। मनुष्य की आत्मा की संतुष्टि, शारीरिक स्वस्थता व बुद्धि की स्थिरता को नापने का एक पैमाना है और वह है चेहरे पर खिली प्रसन्नता। लंदन विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सोफी स्कॉट कहती हैं कि, 'हंसी के द्वारा हमारा अवचेतन मन ये संकेत देता है कि, हम सुकून में हैं और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

पूरे विश्व में 14 मई को मनाया जाएगा मातृ दिवस

जानिए क्यों मनाया जाता है मदर डे

डॉ प्रताप सिंह वर्मा

14 मई को पूरे विश्व में मदर डे मनाया जायेगा। लेकिन इसके इतिहास के बारे शायद ही कोई जानता हो। आखिर यह दिवस कब से और क्यों मनाया जा रहा है। आज हम आपको इसके बारे जानकारी देने वाले है। मई 2023 में मदर्स डे कब है मातृ दिवस/ मदर्स डे वर्ष 2023 में 14 मई को मनाया जा रहा है। सारी दुनिया यह दिन मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे के रूप में सेलीब्रेट करती है। यह बात तो सभी जानते हैं कि ये दिन खासतौर से सभी माताओं को समर्पित है।

मातृ दिवस क्यों मनाया जाता है वैसे तो माताओं के प्रति प्यार और सम्मान हर पल ही मन में होता है लेकिन इस एक दिन उसे जताकर माताओं को खास महसूस कराए जाने का चलन है। इस दिन मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर उनके अथाह प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद दिया जाता है। जितना खास है यह दिन, उतनी ही रोचक है इस दिन को मनाने की शुरुआत भी। अलग-अलग देशों में इस दिन को मनाने की अलग-अलग कहानी है। जानिए कब, क्यों और कैसे हुई मदर्स डे मनाने की शुरुआत

मदर्स डे ग्राफटन वेस्ट वर्जिनिया में एना जॉर्विस ने सभी माताओं और उनके मातृत्व को सम्मान देने के लिए आरंभ किया गया था। इसे दुनिया के हर कोने में अलग-अलग दिनों में मनाया जाता हैं। इस दिन कई देशों में विशेष अवकाश घोषित किया जाता है।

कुछ विद्वानों का दावा है कि मां के प्रति सम्मान यानी मां की पूजा का रिवाज पुराने ग्रीस से आरंभ हुआ है। कहा जाता है कि स्म्बेले ग्रीक देवताओं की मां थीं, उनके सम्मान में यह दिन मनाया जाता था। यह दिन त्योहार की तरह मनाने की प्रथा थी। एशिया माइनर के आस-पास और साथ ही साथ रोम में भी वसंत के आस-पास इदेस ऑफ मार्च 15 मार्च से 18 मार्च तक मनाया जाता था।

यूरोप और ब्रिटेन में मां के प्रति सम्मान दर्शाने की कई परंपराएं प्रचलित हैं। उसी के अंतर्गत एक खास रविवार को मातृत्व और माताओं को सम्मानित किया जाता था। जिसे 'मदरिंग संडे' कहा जाता था।

मदरिंग संडे फेस्टिवल, लितुर्गिकल कैलेंडर का हिस्सा है। यह कैथोलिक कैलेंडर में लेतारे संडे, लेंट में चौथे रविवार को वर्जिन मेरी और 'मदर चर्च' को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता हैं।

परंपरानुसार इस दिन प्रतीकात्मक उपहार देने तथा मां का हर काम परिवार के सदस्य द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है।

सर्वप्रथम अमेरिका में मदर डे प्रोक्लॉमेशन जुलिया वॉर्ड होवे द्वारा मनाया गया था। होवे द्वारा 1870 में रचित 'मदर डे प्रोक्लामेशन' में अमेरिकन सिविल वॉर (युद्ध) में हुई मारकाट संबंधी शांतिवादी प्रतिक्रिया लिखी गई थी। यह प्रोक्लामेशन होवे का नारीवादी विश्वास था जिसके अनुसार महिलाओं या माताओं को राजनीतिक स्तर पर अपने समाज को आकार देने का संपूर्ण दायित्व मिलना चाहिए। 1912 में एना जॉर्विस ने सेकंड संडे इन मई फॉर 'मदर्स डे' को ट्रेडमार्क बनाया और मदर डे इंटरनेशनल एसोसिएशन का गठन किया।

क्या कहता है गूगल

गूगल से जानकारी ढूंढने जाएं तो मदर्स डे के दो प्राथमिक परिणाम सामने आते हैं, वो है, लेंट में मदरिंग संडे, ब्रिटिश कैलेंडर के चौथे संडे के रूप में और मई के दूसरे संडे के रूप में।

चीन में मातृ दिवस बेहद लोकप्रिय है और इस दिन उपहार के रूप में गुलनार के फूल सबसे अधिक बिकते हैं। 1997 में चीन में यह दिन गरीब माताओं की मदद के लिए निश्चित किया गया था। खासतौर पर उन गरीब माताओं के लिए जो ग्रामीण क्षेत्रों, जैसे पश्चिम चीन में रहती हैं। ङ्क जापान में मातृ दिवस शोवा अवधि के दौरान महारानी कोजुन (सम्राट अकिहितो की मां) के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता था। आजकल इसे अपनी मां के लिए ही लोग मनाते हैं। बच्चे गुलनार और गुलाब के फूल उपहार के रूप में मां को अवश्य देते हैं। भारत में इसे कस्तूरबा गांधी के सम्मान में मनाए जाने की परंपरा है। थाईलैंड में मातृत्व दिवस थाइलैंड की रानी के जन्मदिन पर मनाया जाता है।

वर्ग पहेली 4998

1	2	3		4	5	■	6
7			■	8		9	
10			■		■	11	
■		■	12		13	■	■
14	■	15	■	16		17	■
18	19		20	■	21		
22		■	23	24	■		■
25					■	26	

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस प्रसिद्ध हास्य कवि की जन्म तारीख व निधन होने की तारीख एक ही है जन्म 18 सितंबर व निधन 18 सितंबर (6)
7. राजीव, पुरानी फिल्मों के गीतकार (3)
8. भगवान श्रीगणेश के नामों में से एक (4)
10. गीत, तराना (3)
11. हृदय, मन, अंतःकरण (2)
12. परस्पर निर्वाह करना, बुहारना (3)
16. शोधलेख, शोधपत्र, शोधरचना (3)
18. यह सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की एक प्रसिद्ध दूत काव्य है (4)
21. शब्द, वाणी, बोली (3)
22. पुराणानुसार पांचवां लोक जहां मनुष्य रहते है, सर्वसाधारण (2)
23. यह कृष्ण-भक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री है (2)
25. दीवार में छेद करके या सेंध लगाके चोरी करने वाला (5)
26. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का नाम जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)

संकेतः ऊपर से नीचे

1. विवाह के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न हुआ पुत्र (3)
2. असर पैदा करने वाला, प्रभाव करने वाला (4)
3. पाचन क्रिया, पाचन शक्ति (3)
4. सूर्य का सारथी होने के कारण अरूण का एक नाम (5)
5. टांका मारना, सिलाई करना, वक्षस्थल (2)
6. समस्त, कुल, सब (3)
9. अगर, जो (2)
13. महाराष्ट्र का यह शहर गोदावरी नदी के समीप स्थित है, पंचवटी वन इसके समीप है (3)
14. दक्षिण अमेरिका में बहने वाली विश्व की सबसे बड़ी नदी (4)
15. पिता के पिता को यह कहा जाता है (2)
17. हिफाजत से रखा हुआ, सुरक्षित(4)
19. गड़गड़ाहट, गर्जन, मेघनाद (3)
20. शिष्टता, विवेक, सभ्यीकरण (3)
24. जंघा, जांघ (2)

वर्ग पहेली 4997 का हल

म	ले	शि	या	■	शा	य	द
हे	■	का	ता	■	द	क्ष	■
श	ह	र	या	र	■	■	वा
भू	ल	■	त	ह	की	का	त
प	क	ना	■	म	ल	य	ज
ति	■	म	■	दि	■	र	■
■	■	व	की	ल	■	■	मू
पु	का	र	ना	■	ने	पा	ल

वारदात: सूने घर में चोरी, दूसरे में महिला ने विरोध किया तो मारा चाकू

पुलिस चौकी से 50 मीटर की दूरी पर हुई चोरी, जांच में जुटी स्थानीय पुलिस

नर्मदा समय नवील वर्मा

शाहपुर। नगर में गुरुवार की रात चोरों ने अलग-अलग दो घरों में घुसकर नकद समेत हजारों रुपए मूल्य की सम्पत्ति चोरी कर ली। जबकि दूसरे घर में महिला द्वारा विरोध करने पर महिला को चाकू मारकर जख्मी कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर भौरा पुलिस ने पहुंचकर जांच-पड़ताल की। नगर के मेन रोड स्थित पुलिस चौकी से 50 मीटर की दूरी पर निवासी जीवन दास जावलकर की परी काशी जावलकर ने बताया कि घर के सभी सदस्य सो रहे थे। हमारे घर में सामने दरवाजे नहीं है। सिर्फ पर्दा डाला हुआ था। जिससे दो चोर अंदर आकर बाहर के कमरे में अपनी सहेली के साथ सो रही मेरी बेटी का मुंह दबाकर कहने लगा दिया। अगर चिल्लाएगी तो तेरा गला काट दूंगा। फिर अंदर जाकर मेरा मंगलसूत्र गले से झटक कर छीन लिया। और मेरी बेटी की सहेली का पर्स के साथी दो बैग कपड़े से भरे थे जिन्हें चोर ले जाने लगे मेरे द्वारा विरोध करने पर मुझ पर चाकू से वार किया जिससे मेरे गले एवं हाथ पर मामूली चोट आई। यह घटना लगभग 3-30 बजे की है। जिसके बाद हमारे द्वारा पुलिस चौकी मैं इसकी जानकारी दी गई। वहीं दूसरी घटना में स्वर्गीय भूतपूर्व सैनिक की परी के सूने मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया।

स्वर्गीय भूतपूर्व सैनिक की बेटी नीलू यादव ने बताया कि इस घर में मेरी मां रामरती पंड्या उम्र 62 साल अकेली ही रहती है। वह अभी 8 दिन पहले से अपनी आंख का ऑपरेशन कराने के लिए भोपाल में है। घर पर ताला लगा हुआ था। मां के घर के पड़ोसियों ने मुझे फोन कर बताया कि आपकी मां के घर का दरवाजा खुला हुआ है। जब मैंने वहां जाकर देखा तो घर पूरी तरह से अव्यवस्थित पड़ा हुआ था। चोरों ने सुकून के साथ पूरे घर की तलाशी लेने के बाद कीमती सामान की चोरी कर ले गए। जिस की जानकारी पुलिस चौकी भौरा में दी।

इनका कहना है

नगर में दो जगह चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई है। जांच कर क्या-क्या चोरी गया है इसकी जानकारी जुटा रहे हैं। महिला को मामूली खरोच आई है। जांच कर कार्रवाई करेंगे।

खुशीलाल कीर, एएसआई पुलिस चौकी भौरा

दो बेटियों ने जेईई मेंस में सफलता प्राप्त कर शोभापुर कॉलोनी का नाम रोशन किया

नर्मदा समय नवील वर्मा

बैतूल। विगत दिनों राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षा वाइट एंट्रेंस एग्जाम जेईई मेंस में कोल क्षेत्र शोभा पुर कॉलोनी की दो बेटियों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शोभापुर कॉलोनी की प्राचार्य श्रीमती रजनी श्रीवास्तव ने बताया कि शासन की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत विद्यालय के स्मार्टरूम में जे ई ई एंट्रेंस से संबंधित विशेष कक्षाएं लगातार चलाई जा रही थी जिसका प्रतिफल है। विद्यालय की दो होनहार बेटियां कामिनी और संजना जिन्होंने सफलता का परचम लहरा कर संभाग में विद्यालय एवं जिले का नाम दर्ज कराया जो नगर, एवं विद्यालय के लिए गौरव की बात है दोनों बेटियों ने सफलता का श्रेय प्राचार्य एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को दिया है।

इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों एवं शाला परिवार के समस्त स्टाफ को शुभकामनाएं देने के साथ ही सहायक आयुक्त श्रीमती जैन एवं उपायुक्त नर्मदापुरम जे पी यादव जी के प्रति भी अपना आभार प्रकट किया है।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

कुलदीप राजपूत

हरदा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के उद्देश्य से जीवनम् स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इसी क्रम में शनिवार को विकासखण्ड हंडिया के ग्राम मनोहरपुरा में जीवनम् स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर ऋषि गर्ग ने स्वास्थ्य शिविर में पहुँचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर डी. के. सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद कर रही जागरूकता कार्यक्रम

नर्मदा समय

शाहपुर। शुक्रवार को ग्राम पंचायत कुण्डी के कामठी एवं अन्य गा ग्राम में कठपुतली के पारंपरिक संचार माध्यम के उपयोग द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में विज्ञान के द्वारा जीवन गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में एक दल बैतुल जिले के गाँव बासियों के बीच काम कर रही है।

यह कार्य राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के सहयोग से कर रही है। जिसके अंतर्गत अवैज्ञानिक प्रथाओं के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम, पशु स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, कृषि में कम उत्पादकता के कारण एवं उसे बढ़ाने के वैज्ञानिक उपाय, मातृ स्वास्थ्य एवं उनका पोषण, महिलाओं एवं किशोरियों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता, खुले में शौच के दुष्परिणाम एवं शौचालय के उपयोग हेतु प्रोत्साहन कार्यक्रम जल संरक्षण, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, जल जनित रोगों से बचाव बाजरा/ मोटेअनाज पर जागरूकता विषय पर जागरूकता गतिविधियां एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है।

बच्चों एवम गाँव के लोगो ने कठपुतली शो एवं दल में शामिल स्त्रोत विद्वानों के माध्यम से विषयों को पूरी रूचि के साथ देखा समझा और जाना, साथ ही जल संरक्षण और अक्षय उर्जा विषयों पर कार्य करने और जागरूकता का प्रसार करने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य विभूतियों ने वैज्ञानिक संचार एवं जागरूकता बढ़ाने राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के इस प्रयास को प्रशंसनीय निरुपित किया। कार्यक्रम में डॉ विवेक मुदगल अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक, सुरेश पटेल लोक कलाकार, अनिल सिंह, कैलाश पटेल, एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कलेक्टर के सख्त निर्देश पर आबकारी विभाग ने की अवैध मंदिरा पर कार्यवाही

कुलदीप राजपूत

हरदा। कलेक्टर गर्ग ने आबकारी विभाग को शक्त निर्देश दिए थे जिले के अवैध मंदिरा विक्रय आहतों व अवैध मंदिरा पान पर कड़ी कार्यवाही करें। इधर आबकारी विभाग द्वारा बस स्टैंड व रेल्वे स्टेशन और आप पास की शराब दुकानों के यहाँ लगातार गस्त की जा रही है।

आबकारी विभाग के अधिकारीरितेश कुमार लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि गत अप्रैल माह में अवैध मंदिरा व्यवसाय के विरुद्ध 44 प्रकरण ,इस वर्ष मेंअवैध रूप से मंदिरा या विनिर्माण विक्रय एवं अवैध स्थानों पर मदिरा पान संवधि 53प्रकरण अप्रैल माह में पंजीबद्ध किये गये। वही कलेक्टर गर्ग के निर्देश में खिरकिया तहसील में स्थित प्रिंस ढाबा मंदला, ठाकुर ढाबा पोखरनी, जगदंबा ढाबा चारुवा, महाकाल ढाबा मोरगड़ी,अपना ढाबा छीपाबड़ गोपाल ढाबा छीपाबड़, आनंद सागर ढाबा सिराली, ठाकुर ढाबा सिराली, इंडियन ढाबा रहटाकला, हिंदुस्तान ढाबा कुक रावत केदी ढाबा हंडिया रोड राजपूत ढाबा छिपानेर रोड इत्यादि ऐसे ढाबों पर कार्रवाई की गई। अतिरिक्त अनेक कार्यवाही में कुल मिलाकर देसी मदिरा 45.60 लीटर विदेशी मदिरा 19.30 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब 78 लीटर एवं महुआ वाहन 5940 किलोग्राम विभिन्न स्थानों से जप्त की गई है जिन का अनुमानित बाजार मूल्यय 447374 रुपये है।

चम्बल अंचल आज एक बार फिर गोलियों की आवाज से गूँज उठा 6 लोगों की मौके पर ही मौत

मरने वाले एक ही परिवार के हैं, 3 घायल

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

मुरैना। चम्बल अंचल आज एक बार फिर गोलियों की आवाज से गूँज उठा। जिले के सिहोनिया थाना क्षेत्र के लेपा भिडोसा गांव में दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद हो गया। विवाद सुबह-सुबह शुरू हुआ, पहले लाठियां निकली फिर घरों से बंदूकें निकल आई, बंदूक हाथ में आते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 6 बजे गांव के दो परिवार जमीन को लेकर आपस में भिड़ गये, घरों की महिलाएं बाहर निकल आई और बहस शुरू हो गई। पुरुष हाथों में लाठियां लेकर एक दूसरे पर हमलावर हो गए, देखते ही देखते विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। थोड़ी ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने घर से बंदूकें निकाल ली और दूसरे पक्ष पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बंदूक चलते ही वहां भगदड़ मच गई। देखते ही देखते 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले एक ही परिवार के हैं जिसमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। गोली लगने से तीन लोग घायल भी बताये जा रहे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों दिशा निर्देश फ्लैग मार्च निकाला

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। शनिवार को समय 7:00 बजे नगर सिवनी मालवा में वरिष्ठ अधिकारियों दिशा निर्देश फ्लैग मार्च निकाला शहर में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

सिवनी मालवा के अनुविभागीय अधिकारी एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी एवं थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला थाना सिवनी मालवा थाना प्रभारी डोलरिया नागेश वर्मा एवं थाना शिवपुर सउनि आशीष तिरोरिया तथा अनुभाग के बल के साथ फ्लैग मार्च प्रारंभ किया गया।

समर्थन मूल्य पर खरीदी पंजीयन 8 मई से 19 मई तक

कुलदीप राजपूत

हरदा। प्रदेश के कृषि मंत्री एवं किसान नेता कमल पटेल ने ट्वीट करते हुए बताया कि प्रदेश के किसानों से ग्रीष्मकालीन फसल मूंग और उड़द की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए प्रदेश सरकार ने 8 मई से 2023 से 19 मई 2023 तक पंजीयन करने का निर्णय लिया है।कृषि मंत्री पटेल ने बताया कि प्रदेश के 32 जिलों में मूंग और 10 जिलों में उड़द का उत्पादन होता है। इन जिलों में किसानों से अपील करता हूं कि वह 8 मई से 19 मई तक अपनी फसल का समर्थन मूल्य पर सरकार को बेचने के लिए खरीदी पंजीयन कराएं। नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, रायसेन, हरदा, सीहोर, जबलपुर ,देवास, सागर, गुना, खंडवा, खरगोन, कटनी, दमोह ,विदिशा, बड़वानी, मुरैना, बेतूल , श्योपुरकला , भिंड, भोपाल, सिवनी, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, छतरपुर, उमरिया, धार, राजगढ़, मंडला, शिवपुरी अशोकनगर, इंदौर, बालाघाट, इन 32 जिलों में मूंग का उत्पादन किसान करता है। वही जबलपुर ,कटनी, नरसिंहपुर, दमोह, छिंदवाड़ा, पन्ना, मंडला, उमरिया, सिवनी और बालाघाट में उड़द की फसल की खेती किसान भाई ग्रीष्म काल में करते है।

जनसामान्य में सामान्य सुरक्षा की भावना बनाये रखने पुलिस द्वारा पैदल भ्रमण

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी के नेतृत्व में बैतूल पुलिस द्वारा सम्पूर्ण जिलें में पैदल भ्रमण

नर्मदा समय

बैतूल। शासन द्वारा हाल ही में कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जनसामान्य में सामान्य सुरक्षा की भावना बनाये रखने तथा पुलिस की सड़कों पर दृश्यता बढ़ाने पैदल पुलिस गश्त (पैदल भ्रमण) करने संबंधी निर्देश दिये गये है।

पुलिस महानिदेशक म.प्र. भोपाल द्वारा दिनांक 06 मई 2023 को सायः 06:00 से 08:00 बजे को पूरे मध्यप्रदेश में सभी मैदानी अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र के व्यस्त व संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त करने एवं गश्त के दौरान क्षेत्र की पुलिसिंग से संबंधित सामान्य समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही किये जाने संबंधी दिशा निर्देश दिये गये है।

जिला बैतूल में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ चौधरी द्वारा जनसामान्य में सामान्य सुरक्षा की भावना बनाये रखने तथा पुलिस की सड़कों पर दृश्यता बढ़ानें के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज, एसडीओपी सुश्री सृष्टि भार्गव उप पुलिस अधीक्षक अजाक ललित कश्यप महिला सेल डीएसपी श्रीमती पल्लवी गौर थाना प्रभारी महिला सेल राजेंद्र धुर्वे, थाना प्रभारी गंज एबी मार्सकोले थाना प्रभारी यातायत शारविंद, सूबेदार संदीप सुनेश सहित पुलिस बल के साथ बैतूल शहर में कंट्रोल रूम बेतूल से शिवाजी चौक, बस स्टैंड, लक्ष्मी चौक , मस्जिद चौक, टिकारी , अखाड़ा चौक कोतवाली थाना चौक, कमानी गेट, सीमेंट रोड, गणेश चौक, कॉलेज चौक , बाबू चौक, दिलबहार चौक में पैदल भ्रमण कर आमजनता से संवाद स्थापित कर आमजन की समस्याओं एवं क्षेत्र के बारें में जानकारी प्राप्त की गई। इसी प्रकार से जिलें के सभी थाना क्षेत्रों एवं चौकी क्षेत्रों में भी समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारियों सहित समस्त थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों द्वारा पुलिस बल सहित अपने अपने थाना क्षेत्रों के व्यस्त एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा आमजनों से संवाद स्थापित कर जानकारी प्राप्त की गई।

ओलावृष्टि अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

नर्मदा समय, अरुण कश्यप

सिवनी मालवा। समस्त प्रभावित किसानों के द्वारा तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रभारी तहसीलदार नितिन राय को ज्ञापन सौंपा एवं अतिवृष्टि ओलावृष्टि से किसानों की फसल पूर्ण तरीके से नष्ट हो चुकी है। किसानों ने अपनी आपबीती बताते हुए प्रभारी तहसीलदार को सर्वे करवाने की मांग की वही ज्ञापन में क्षेत्र की महिला भी उपस्थित रही। उन्होंने बताया कि नदियों तरबूज डंगर पूरी तरीके से नष्ट हो चुकी है एवं उनका शीघ्र से शीघ्र सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए। प्रभावित किसानों ने तहसील गेट के सामने ही धरना दिया एवं 45 मिनट तक किसान सर्वे की मांग को प्रभारी तहसीलदार से समय अवधी मांगी गई कि उनकी फसल का सर्वे कितने दिन में हो जाएगा।

अगर सर्वे कार्य नहीं होता है तो किसानों ने धरना प्रदर्शन करने की भी चेतावनी दी है एवं कई किसान कर्ज में भी डूबे हुए हैं। जिन की फसल पूर्ण तरीके से नष्ट हो चुकी है एवं उनके और उनके बच्चों का पालन पोषण का भी संकट गहराया हुआ है। प्रभारी तहसीलदार ने भरोसा देते हुए किसानों को शीघ्र से शीघ्र सर्वे कार्य किया जाने का भरोसा दिया है। समस्त प्रभावित किसानों ने जमकर नारेबाजी भी की एवं 10 दिन के अंदर मुआवजा राशि वितरित करने की मांग रखी।

पुलिस ने निकाला फ्लेग मार्च

कुलदीप सिंह रायकवार

कुरवाई। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं डीजीपी सुधीर सक्सेना के निर्देश अनुसार संपूर्ण मध्यप्रदेश के साथ-साथ कुरवाई में भी शनिवार शाम को फ्लैग मार्च निकाला गया । फ्लैग मार्च में पुलिस अधिकारियों ने जनसामान्य से चर्चा की एवं अपराध की संभावना वाले क्षेत्र चिन्हित किए। एसडीओपी ललित सिंह जाट ने बताया कि ऐसा फ्लैग मार्च अब समय-समय पर होता रहेगा, जिससे अपराधियों में भय रहे एवं जन सामान्य में सुरक्षा की भावना बनी रहे। फ्लैग मार्च में एसडीओपी ललित सिंह जाट, टी आई बृजेंद्र मर्सकोले एवं अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे ।

पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ से की मुलाकात

टीकमगढ़ । मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ से भोपाल में टीकमगढ़ के वरिष्ठ नेता किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह जूदेव बाबाराजा एवं युवा नेता कांग्रेस जिला महामंत्री पार्थ सिंह जूदेव ने मुलाकात की जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को टीकमगढ़ जिले के बारे में तमाम स्थितियों से अवगत कराया गया जहां कमलनाथ ने टीकमगढ़ के विषय में भोपाल बुलाया था। इस अवसर पर कमलनाथ ने किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह जूदेव और कुंवर पार्थ सिंह जूदेव से जिले टीकमगढ़ के बारे में तमाम विस्तार से चर्चा की। प्रेस को यह तमाम जानकारी कुवंर पार्थ सिंह जूदेव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष द्वारा किया हनुमान चालीसा का पाठ

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में बजरंग दल द्वारा गुंडागर्दी करते हुए कांग्रेस कार्यालयों को क्षति पहुंचाने का कार्य किया गया है, इस घटना के विरोध में जिला युवक कांग्रेस, बैतूल (शहर) अध्यक्ष विजय पारधी द्वारा वरिष्ठ नेता सुभाष देशमुख और जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष छन्नू बेले की विशेष उपस्थित में श्री हनुमान मंदिर, आमला परिसर मे हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और नफरत और आतंक फैला रहे बजरंग दल कार्यकर्ताओं को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की गई। जिसमें प्रमुख रूप से, किसन सजने, अकरम खान, रामकिशोर पुंडे,रोहित बामने,कमल पाल,नितिन चौहान, सुभम राठौर, नकुल चौहान,संतोष पाल,तेजेश पुंदे, नंदकिशोर पुण्डे, पवन महाराज,विकाश पुणे, कपिल पुण्डे,राहुल पुण्डे,प्रेमलाल यादव, लक्की बागियर, रोशन बागियर भरी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला मंत्री ने बैठक रखी

शाहपुर। जिला मंत्री मनीष वर्मा द्वारा दिनांक 07/05/2023 दिन रविवार को बैठक रखी गई जिसमें शाहपुर नगर एवम आसपास के सभी युवा उपस्थित रहे । वर्मा द्वारा मुख्य बात द केरल फ़िल्म के बारे में बताया गया व सभी को मूवी देखने हेतु प्रेरित किया गया । उन्होंने बताया कि धर्मान्तरण के अनुसार मुख्य बिंदु बताए गए एवं युवा नीति के बारे मैं युवाओं को जानकारी दी ,बैठक में मुख्य रूप से बैतुल जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा आदरणीय राजा पंवार जी उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया इस हेतु भारतीय जनता युवा नगर अध्यक्ष मयंक वर्मा , सोनू यादव, अरमान गुप्ता, दीपक प्रजापति, अनंत पाल,देव मालवीय,सिद्धार्थ सोनी, शिवेंद्र कदम, आकाश साहू, दीपक साहू, शोवित जोठे, संतलाल जोठे, अरमान गायकवाड़, संस्कार वर्मा, गौरव मोर्रे एवम अन्य उपस्थित रहे।

ऑटो चालकों से डरा धमका कर लिया जा रहा वाहन विराम शुल्क

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। आमला बस स्टैंड पर नगर पालिका द्वारा वाहन विराम शुल्क का ठेका प्रति वर्ष दिया जाता है, इस वर्ष भी नपा द्वारा वाहन विराम शुल्क का ठेका दिया गया है। बड़े चोपिया वाहन बस मिनी बस मैजिक का वाहन विराम शुल्क नियम अनुसार लिया जाना है, लेकिन ठेकेदार द्वारा ऑटो चालकों से भी वाहन विराम शुल्क लिया जा रहा है इसको लेकर ऑटो चालकों में आक्रोश है, ऑटो चालकों ने इसका विरोध कर वाहन विराम शुल्क नही लिए जाने की मांग जिला कलेक्टर से की है ।

ऑटो चालक संघ के अध्यक्ष दिलीप पाल ने बताया कि नपा द्वारा बस स्टैंड में वहां के विराम करने का ठेका दिया जाता है लेकिन उसमें भी चौपाया वाहन बस, मिनी बस, मैजिक, का विराम शुल्क लिया जाना निर्धारित किया गया लेकिन ठेकेदार द्वारा ऑटो चालकों से भी वहान विराम शुल्क लिया जा रहा है, जो कि नियम के विरुद्ध है। अगर नियम विरुद्ध शुल्क लिया जाता है तो ऑटो चालकों के द्वारा ठेकेदार के खिलाफ उग्र आंदोलन करने का निर्णय लिया है ऑटो चालक संतोष गाठे ने बताया कि शहर के अम्बेडकर चौक ,रेलवे स्टेशन के पास खाली जगहों पर ऑटो खड़ा किया जाता है, जहां पर नपा के ठेकेदार के लोगो द्वारा वहान विराम शुल्क लिया जा रहा है, जबकि बस स्टैंड क्षेत्र से काफी दूर ऑटो खड़े किए जाते है इसके बाद भी ऑटो चालकों से वहान विराम शुल्क लिया जा रहा है।

वहान विराम शुल्क के दायरे में नही आता ऑटो

बस स्टैंड पर विराम करने वाले वाहन जैसे कि बस मिनी बस मैजिक से ही ठेकेदार को विराम शुल्क वसूल करना है, लेकिन ठेकेदार द्वारा मनमानी कर ऑटो चालकों से भी विराम शुल्क जबरदस्ती लिए जा रहा है जबकि नियम अनुसार तीन पहिया वाहन से विराम शुल्क लेने का कोई नियम नगर पालिका द्वारा नहीं बनाया गया। इसके बाद भी ऑटो चालकों से अवैध रूप से वहान विराम शुल्क लेने पर ऑटो चालकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ऑटो संघ ने किया इसका विरोध कलेक्टर से की जाच की मांग

अगर जल्दी अवैध वसूली को बंद नहीं किया गया तो ऑटो चालकों के द्वारा नगर पालिका के ठेकेदार के विरुद्ध उग्र आंदोलन किया जाएगा। ऑटो चालक सुनील झारिया ने बताया कि बस स्टैंड क्षेत्र और अंबेडकर चौक पर ऑटो खड़े करने पर ठेकेदार द्वारा बस स्टैंड पर जो लिया जाने वाला शुल्क जबरदस्ती वसूला जा रहा है जो कि नियम के विरुद्ध है। बस स्टैंड क्षेत्र पर वाहन नहीं खड़ा किया जाता है बस स्टैंड से थोड़ी दूरी पर ऑटो खड़े किए जाते हैं इसके बाद भी ठेकेदार द्वारा डरा धमका कर वाहन विराम शुल्क वसूल किया जा रहा है, जो कि नियम के विरुद्ध है। हम कलेक्टर से मांग करते हैं कि इसकी जांच की जाए और ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए।

वाहन विराम शुल्क ठेकेदार पर होना चाहिए कार्यवाही

ऑटो चालक संघ के पक्षीराज अतुलकर, अर्जुन चौकिकर, शम्भु दयाल पाटलेदौलत नचले, मनोज चन्देकर दिलीय मासोतकर, उमेश तायवाडे, प्रितम चौकिकर, राकेश मोर्य ने कहा कि गरीबी में जीवन का व्यापन कर रहे है, अभी तक लॉकडाउन का कर्ज नही दिया है ऐसी स्थिति में नपा के ठेकेदार द्वारा नियम के विरुद्ध वहान विराम शुल्क लिया जा रहा है। जबकि ऑटो विराम शुल्क के दायरे में ही नही आता है। ऑटो चलको ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि नियम विरुद्ध हो रही अवैध वसूली को बन्द किया जाए एव ठेकेदार पर कार्यवाही की जाए।

इनका कहना है ...

वहान विराम शुल्क ठेकेदार ऑटो चालकों से शुल्क लिया जा रहा है, तो इसके लिए ठेके के नियम शर्तो को देखकर आगे की कार्यवाही की जायेगी ठेकेदार को बुलवाकर जाच करवा लेते है।

नीरज श्रीवास्तव, सीएमओ आमला

आपके द्वारा जानकारी मिली है ऑटो चालकों से शुल्क लिया जा रहा है तो इसकी जाच करवाई जायगी ।

राजेन्द्र अतुलकर, राजस्व निरीक्षक नपा आमला

अस्तोंन में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का विधायक राकेश गिरि ने किया भूमिपूजन

नर्मदा समय

टीकमगढ़। ग्राम पंचायत अस्तौन में विद्युत उपकेंद्र का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक राकेश गिरी मौजूद रहे। कार्यक्रम में ग्रामीण एवं वरिष्ठ जनों ने विधायक राकेश गिरी का फूल मालाओं से स्वागत सम्मान किया वहीं विधायक राकेश गिरी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके साथ ही विधायक राकेश गिरी ने 2.70 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का विधि विधान से भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम में विधायक राकेश जी ने संबोधित करते हुए कहा कि आज अस्तौन में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का भूमि पूजन कर दिया गया है। जिसका कार्य जल्द ही प्रारंभ कर दिया जाएगा।

इस विद्युत उपकेंद्र से आसपास के क्षेत्र तक बिजली पहुंचाई जाएगी जिससे कि ग्रामीण लोगों को बिजली की समस्या ना हो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में मेरे द्वारा लगातार बिजली जैसी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि अब ग्राम में रहने वाले ग्रामीणों को भी बिजली की समस्या नहीं होगी इस विद्युत उप केंद्र के निर्माण होने से लोगों को पर्याप्त बिजली की सुविधा मिलेगी।

वही विधायक राकेश गिरी ने बताया कि इस उपकेंद्र में 4 फीडर निकाले जाएंगे जिसमें अस्तौन खास घरेलू फीडर, अस्तौन कृषि फीडर, सगरबारा घरेलू फीडर, सगरबारा कृषि फीडर बनाए जाएंगे। इस उपकेन्द्र से लगभग 20 गांव को कुंडेश्वर, गणेशगंज, अस्तौन नीमखेरा, चरपुवा, जुड़ावन, सगरबारा, बृजपुरा, पहाड़ी तिलवारन, सूरजपुरा, पांडेर, हरपुरा, वरखिरिया, घाट खिरिया, धनवाहा, सुजानपुरा , नचनवारा इत्यादि उच्च गुणवत्ता पूर्ण निर्बाध विद्युत प्रदाय होगी। इस मौके पर एसके त्रिपाठी अधीक्षण अभियंता सहित वरिष्ठ जन व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

युवा मोर्चा ने चौपाल लगाकर दी युवा नीति की जानकारी

नर्मदा समय नवील वर्मा

शाहपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल भौरा- बिजादेही द्वारा गांव ढोढरामऊ में युवा चौपाल लगाई गई। इस चौपाल में नवमतदाता भी सम्मिलित हुए। युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जहां 2014 के पूर्व केंद्र सरकार में टूजी स्पेक्ट्रम घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, काला धन इत्यादि जैसे मुद्दे सुनाई दिया करते थे। वहीं 2003 से पहले मध्य प्रदेश के लिए टूटी सड़कें, बीमारू राज्य, बिजली पानी की कमी, जैसी बातें आम हुआ करती थी।लेकिन आज राज्य व केंद्र की भाजपा सरकार आने के बाद मध्यप्रदेश में विकास के साथ मजबूती आई है।

भाजयुमो मंडल महामंत्री सुरेंद्र यादव ने कहा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा युवा नीति लागू की गई है। मप्र के युवाओं का भविष्य संवारने वाली नीति है। युवा नीति की योजना के तहत युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसमें सम्मिलित युवाओं को ट्रेनिंग के दौरान 8 हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसके बाद युवाओं द्वारा स्वयं का व्यवसाय करने लोन भी दिया जाएगा। जिसकी गारंटी मप्र सरकार लेगी। योजना के माध्यम से युवा सशक्त बनेगा और प्रदेश तीव्र गति से आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव,महामंत्री सुरेंद्र यादव, राजू, पूनमसिंह, दिलीप कुमार, रामसिंह, मोहन, भीम, बुधराम सुमित सहित अन्य युवा मौजूद रहे।

किसानों से गन्ना खरीदकर बिना भुगतान किये धोखाधड़ी कर भागने वाला संचालक गिरफ्तार

बबलू निरापुरे नर्मदा समय

आमला। दिनाँक 13.04.2023 को फरियादी संदीप सिंह पिता बंसीलाल सिंधिया उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 9 आमला द्वारा थाना आमला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी बंटी उर्फ़ शहबाज पिता रिजवान खान उम्र 30 वर्ष निवासी ककराला थाना अलापुर जिला बदायूं उत्तर प्रदेश द्वारा गुड़ व्यापारी बनकर क्षेत्र के किसानों से गुड़ बनाने के लिए धोखाधड़ी पूर्वक गन्ना खरीद कर और उससे गुड़ बनाकर फिर गुड़ को बेचकर पैसा कमाया गया और किसानों की करीबन 5,20,915 रुपये की राशि बिना भुगतान किए गुड़ बनाने का घाना छोड़ कर अपने गांव भाग जाने संबंधी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी । जिससे थाना आमला में धारा 420,406,409 की धाराओं में अपराध दर्ज किया जाकर विवेचना में लिया गया था।

उक्त प्रकरण मैं विवेचना के दौरान थाना आमला से टीम बनाकर दो बार अलग-अलग समय पर उक्त आरोपी के निवास स्थान एवं संभावित स्थानों पर दबिश दी गई थी किंतु आरोपी बंटी उर्फ शहबाज नहीं मिल सका था। आज दिनांक 05.05.2023 को मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर उक्त आरोपी बंटी उर्फ़ शहबाज पिता रिजवान खान उम्र 30 वर्ष निवासी ककराला थाना अलापुर जिला बदायूं उत्तर प्रदेश को रेलवे स्टेशन आमला से गिरफ्तार किया गया है। जिसे माननीय न्यायालय पेश किया गया है ।

उक्त उल्लेखनीय कार्यवाही मे निरीक्षक संतोष पंद्रे , उपनिरीक्षक नितिन उइके, प्र आर बसंत उइके , प्र आर सुनील राठौर आर नागेंद्र सिंह,आर. रामकिशन नागोतिया, आर बबलू धुर्वे सैनिक रामराव की भूमिका रही ।

प्रबंधन समिति ने करुणा बुद्ध विहार आमला में मनाई बुद्ध पूर्णिमा

बबलू निरापुरे

आमला। शहर में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आमला शहर के करुणा बुद्ध विहार में प्रबंधन समिति द्वारा बुद्ध पूर्णिमा बनाई गई जिसने सुबह 4:30 ध्यान साधना का अभ्यास कराया गया , तथा माहा परित्रण पाठ का आयोजन किया गया,

पूर्वोत्तर राज्य से आए हुए भिक्षु संघ द्वारा विभिन्न फलों की आकृति बनाई गई, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इसी के साथ आमला के पास ग्राम काजली पुरातत्व अवशेषों के पास भी ग्रामीणों द्वारा बड़े हर्ष उल्लास के साथ पूर्णिमा बनाई गई ।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11बजे तथागत बुद्ध के छाया चित्र के सामने धम्म वंदना एवं बोधि वृक्ष की पूजा के साथ की गई। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी बौद्ध अनुयाई ग्राम काजली धम्म भूमि पहुंचें एवं भिक्षु संघ द्वारा बताया गया की एक आदर्श जीवन जीने के लिए सभी मनुष्य मात्र को पंचशील का पालन करना चाहिए, जिससे की विश्व में शांति एवं करुणा मैत्री स्थापित हो सके ।जिसकी जानकारी आमला नगर पालिका के सभापति अमित हुरमाडे एवं उपस्थित साथी भीमराव निरापूरे,अजय गुजरे, विनोद नागले, सुनिल नागले एवं शिवपाल खतारकार, द्वारा दी गई।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर वितरित की निशुल्क दवाइयां

नर्मदा समय

टीकमगढ़ । वरिष्ठ समाजसेवी एवं राय कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संचालक डॉ विनोद कुमार राय के द्वारा जिला मुख्यालय के नजदीकी ग्राम हरपुरागाँव में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया।

जिले में आए दिन मौसम में बदलाव हो रहा है जिसके चलते शहर एवं ग्रामीण इलाकों में वायरल फीवर सर्दी जुखाम जैसी अन्य बीमारियां हो रही हैं । जिस को दूर करने के लिए आज डॉ विनोद कुमार राय एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ कल्पना राय के द्वारा हरपुरागाँव में निःशुल्क हेल्थ चेकप केम्प लगाया गया जिसमें बी.पी., शुगर, जेनरल चेकप निशुल्क किया गया, साथ ही स्वस्थ कैसे रहना है गाँव के लोगों को जानकारी डॉक्टर विनोद राय के द्वारा दी गई, लगभग 200 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया बी. पी. शुगर, गैस, ऐसिडीटी, बुखार, दर्द की दबा का निशुल्क वितरण किया गया। केम्प में डॉक्टर विनोद राय, डॉ कल्पना राय (स्त्रीरोग) नीरज पराशर, एस. पी. गोस्वामी, दीपक, राजाराम रजनी, उर्मिला, मोनिका रही।

उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ समाजसेवी डॉ विनोद कुमार राय के द्वारा लगातार जनसेवा की भावना को लेकर समाज में इस प्रकार के कार्य समाज के हित और विकास को लेकर किए जाते हैं और इसी क्रम में ग्राम हरपुरागाँव में यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर डॉ विनोद कुमार राय की ओर से लगाया गया।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-प्रताप सिंह वर्मा के लिए ''दिशागोचर प्रकाशन'', 26बी, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी.नगर, जोन-1 भोपाल से मुद्रित एवं लाइफ लाइन भवन शिवराजपुरी कॉलोनी इटारसी जिला नर्मदापुरम 461111 म.प्र. इटारसी से प्रकाशित किया। नो :- सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र नर्मदापुरम जिला न्यायालय रहेगा। मोबाइल नं.:-7974372722